

प्रेषक,

एस0के0मुट्टू,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
हरिद्वार।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 2-6-2010

विषय:- बैक्सन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स प्रा0 लि0 को ग्राम चौली शहाबुद्दीनपुर, परगना भगवानपुर, तहसील रुडकी, जिला हरिद्वार में फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु कुल 0.4065 है0 भूमि/भवन कय की अनुमति प्रदान किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्र संख्या-22/भूमि व्यवस्था-भूमि क्रय, दिनांक-21.8.2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि, श्री राज्यपाल, बैक्सन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स प्रा0 लि0 को, ग्राम चौली शहाबुद्दीनपुर, परगना भगवानपुर, तहसील रुडकी जिला हरिद्वार में फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु कुल 0.4065 है0 भूमि/भवन उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(V) के अन्तर्गत, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन की अनापत्ति एवं आपके उपरोक्त पत्र के द्वारा अनुमोदित/संस्तुत खसरा संख्याओं के अधीन निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

1- क्रेता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलैक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि कय करने के लिये अर्ह होगा।

2- क्रेता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

3- क्रेता द्वारा कय की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन (फार्मास्यूटिकल ईकाई की स्थापना) के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ कय किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

- 4- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जाति/जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति/जनजाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि क्रय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।
- 5- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।
- 6- शासन द्वारा दी गई भूमि क्रय की अनुमति शासनादेश निर्गत होने की तिथि से 180 दिन तक वैध रहेगी।
- 7- क्रय की जाने वाली भूमि का भू उपयोग यदि औद्योगिक से भिन्न हो तो उसे नियमानुसार औद्योगिक में परिवर्तित कराकर जी0आई0डी0सी0आर0-2005 में दिये गये नियमो/मानको के अनुसार सक्षम प्राधिकारी/सीडा से स्वीकृत भवन प्लान के अनुसार निर्माण किया जायेगा।
- 8- ईकाई द्वारा क्रय की जाने वाली भूमि का उपयोग केवल होम्योपैथिक दवाईयां (फार्मा प्रोडक्ट्स) की स्थापना के लिये ही किया जायेगा।
- 9- मै0 बैक्सन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स प्रा0 लि0 द्वारा स्थापित किये जाने वाले उद्योग में उत्तराखण्ड मूल के बेरोजगारों को न्यूनतम 70 प्रतिशत से अधिक का नियमित रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा तथा इस शर्त/प्रतिबन्ध का उल्लेख क्रय की जाने वाली भूमि के निष्पादित किये जाने वाले क्रय अभिलेख में भी किया जायेगा।
- 10- ईकाई द्वारा प्रस्तावित भूमि पर निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व नियमानुसार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति/सहमति प्राप्त की जायेगी।
- 11- सम्बन्धित आवेदक द्वारा भू-उपयोग करने से पूर्व सक्षम एजेन्सी (विनियमित क्षेत्र प्राधिकरण/विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण/विकास प्राधिकरण) से नियमानुसार अनापत्ति प्राप्त करनी होगी तभी वह भूमि का उपयोग निर्धारित कार्य हेतु कर सकेंगे।
- 12- किसी भी दशा में प्रस्तावित क्रेताओं को प्रस्तावित भूमि के अतिरिक्त अन्य भूमि के उपयोग की अनुमति नहीं होगी एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि या अन्य कोई भूमि पर कब्जा न हो, इसके लिये भूमि क्रय के तत्काल बाद उसका सीमांकन कर लिया जाय।
- 13- भूमि का विक्रय अपरिहार्य परिस्थितियों के अतिरिक्त अनुमन्य नहीं होगा एवं ऐसी दशा में विक्रय किये जाने हेतु सकारण शासन का अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- 14- योजना प्रारम्भ करने से पूर्व नियमानुसार सम्बन्धित विभागों/ संस्थाओं से विधिक व अन्य अनापत्तियाँ/स्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली जायेगी।
- 15- उपरोक्त प्रतिबन्धों/शर्तों का पूर्णतः अनुपालन न होने पर तथा भिन्न उपयोग करने, उल्लंघन हाने की दशा में अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत स्वीकृति निरस्त कर दी जायेगी।

कृपया इस सम्बन्ध में तदनुसार कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,


(एस0के0मुट्टू)
प्रमुख सचिव।

पृ0प0सं0- 87 /समदिनांकित/2010

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- प्रमुख सचिव, औद्योगिक विकास विभाग उत्तराखण्ड शासन।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 4- निदेशक, उद्योग विभाग औद्योगिक क्षेत्र, पटेल नगर देहरादून।
- 5- श्री महेन्द्र पाल सिंह बक्शी, संयुक्त प्रबन्ध निदेशक बैक्सन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स निवासी ए0-51 साउथ एक्सटेन्शन पार्ट, 01 नई दिल्ली।
- 6- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड, सचिवालय।
- 7- प्रभारी मीडिया केन्द्र, सचिवालय।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(सन्तोष बडोनी)
अनुसचिव।